Roll No.
रोल नं.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |

**NE**

**Series RKM/NE**

**Code No.** **4/1**
**कोड नं.**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

# HINDI
# हिन्दी
# (Course B)
# (पाठ्यक्रम ब)

*निर्धारित समय : 3 घण्टे* — *अधिकतम अंक : 100*

*Time allowed : 3 hours* — *Maximum Marks: 100*

***निर्देश :*** *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

*(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।*

## खण्ड क

**1.** (क) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** में संधि कीजिए : 2

वाचन + आलय, ईश्वर + इच्छा, अभि + उदय।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** का संधि-विच्छेद कीजिए : 2

नियमानुसार, इत्यादि, चरणोदक ।

**2.** (क) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं ***दो*** का विग्रह कीजिए और समास का भेद भी लिखिए : 2

देशाटन, दीर्घजीवी, तंत्र-मंत्र ।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** के समस्त पद लिखिए और समास के भेद लिखिए : 2

समय के अनुसार, चार राहों का समाहार, चार भुजाएँ हैं जिसकी ।

**3.** निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) काले-काले बादलों ने चाँद को अचानक ढँक लिया।
(रेखांकित पदों में से किन्हीं दो के पद-भेद लिखिए) 2

(ख) (i) कमरे में कौन बैठा है ? (रेखांकित का कारक लिखिए) 1

(ii) प्रतियोगिता में छात्र ने पुरस्कार प्राप्त किया।
(रेखांकित में वचन बदलकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए) 1

(iii) महाराज, कवि । (लिंग बदलकर लिखिए) । 1

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं ***दो*** में वाच्य-परिवर्तन कीजिए : 2

(i) वह चल नहीं सकता। (भाववाच्य में)

(ii) काम कर लिया है। (कर्मवाच्य में)

(iii) छात्रों के द्वारा पौधे सींचे जाते हैं। (कर्तृवाच्य में)

**4.** (क) रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए : 2

(i) कमरे में रोशनी नहीं थी और हम पढ़ न सके।

(ii) जैसे ही मैं बाज़ार पहुँचा, वर्षा होने लगी।

(ख) अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए : 2

(i) उन्होंने यह नाटक नहीं देखा।

(ii) कृपया मेरी बात सुन लीजिए।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को एक सरल वाक्य में बदलिए : 2

(i) बादल घिर आए और वर्षा होने लगी।

(ii) जब बुज़ुर्ग बैठे हों तो सोच-समझकर बोलना चाहिए।

(घ) वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 2

(i) मैंने उसका काम नहीं करा।

(ii) कृपया करके मेरी सहायता कर दीजिए।

(ङ) यथास्थान उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए : 2

देवियों और सज्जनों यह हमारे लिए गौरव की बात है कि आप जैसे लोगों ने नगर के विकास के लिए हमें अपना सहयोग दिया है मंच पर नेताजी बोले

## खण्ड ख

**5.** संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 7

(क) **परोपकार**

(i) अर्थ और महत्त्व

(ii) परोपकार से लाभ

(iii) प्रकृति से उदाहरण

(iv) परोपकारी मानव कौन

(v) मानवता/विश्वशांति के लिए परोपकार

(ख) **वृक्ष और पर्यावरण**

(i) पर्यावरण को शुद्ध रखने में महत्त्व

(ii) प्राकृतिक संपदा

(iii) सामान्य जीवन में योगदान

(iv) वृक्ष और भारत की संस्कृति

(v) कटते वृक्ष और हमारा भविष्य

**6.** बहन को उसके जन्म-दिन पर बधाई देते हुए शुभकामना-पत्र लिखिए। 8

**अथवा**

पुस्तक-विक्रेता के नाम पत्र लिखकर अपनी कक्षा की नई पुस्तकें डाक द्वारा भेजने का अनुरोध कीजिए।

## खण्ड ग

**7.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

सृष्टि के प्रारंभ से ही मनुष्य का प्रकृति के साथ अटूट सम्बन्ध है। प्रकृति मनुष्य को जीवन-शक्ति प्रदान करती है। निराश और खिन्न हृदय में आशा का अपूर्व संचार करती है। एक ओर प्रकृति-नटी हमारे सुख-साधन के लिए नदी, वन, फल, फूल का साज़-सामान लेकर खड़ी है, दूसरी ओर विविध पशु-पक्षी अपने मनोरम कार्यों से हमको सदा के लिए ऋणी बना रहे हैं। सूर्योदय और सूर्यास्त की निराली छटा निर्जीव हृदय को भी सजीव बना देती है। रात्रि में आकाश की अपूर्व छटा, चन्द्रोदय, शुभ्र ज्योत्स्ना, मुक्तासदृश हिमकण किस सहृदय के मन को आकृष्ट नहीं करते। वास्तव में हम प्रकृति के बालक हैं। शहरी जीवन और कृत्रिम दुनिया खड़ी करके हम प्रकृति से बिछुड़ गए हैं। शहर की छोटी-सी ज़मीन पर कृत्रिम बग़ीचा लगाकर हम मानते हैं कि हमने प्रकृति के साथ मेल साध लिया है। वास्तव में सृष्टि के अपार सौंदर्य को देखकर हम आनन्द से अभिभूत हो जाते हैं। प्रकृति के सांनिध्य में मनुष्य आत्मिक शान्ति का अनुभव करता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) मानव के सुख के लिए प्रकृति क्या-क्या प्रस्तुत करती है ? 1

(iii) हम प्रकृति से क्यों विछुड़ गए हैं ? 1

(iv) प्रकृति के साथ मेल साधने के लिए हमने क्या किया है ? 1

(v) मनुष्य को आत्मिक शान्ति का अनुभव कैसे होता है ? 1

**8.** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

मैं मज़दूर मुझे देवों की बस्ती से क्या !
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए ।
अंबर पर जितने तारे, उतने वर्षों से,
मेरे पुरखों ने धरती का रूप सँवारा।
धरती को सुंदरतम करने की ममता में,
बिता चुका है कई पीढ़ियाँ वंश हमारा।
और अभी आगे आने वाली सदियों में,
मेरे वंशज धरती का उद्धार करेंगे ।
इस प्यासी धरती के हित मैं ही लाया था,
हिमगिरि चीर, सुखद गंगा की निर्मल धारा।
मैंने रेगिस्तानों की रेती धो-धोकर,
वंध्या धरती पर भी स्वर्णिम पुष्प खिलाए।
मैं मज़दूर मुझे देवों की बस्ती से क्या !

(i) यह कविता किसके बारे में है ? उसे स्वर्ग की चिंता क्यों नहीं है ? 1

(ii) मज़दूर का वंश किस ममता में कई पीढ़ियाँ बिता चुका है ? 1

(iii) किन पंक्तियों का आशय है कि मज़दूर के वंशज भविष्य में धरती का उद्धार करेंगे ? 1

(iv) गंगा की धारा क्यों लाई गई थी ? इस घटना से मज़दूर का क्या सम्बन्ध है ? 1

(v) किस पंक्ति का भाव है 'धरती को मज़दूर ने ही उपजाऊ बनाया' ? 1

## खण्ड घ

**9.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

भगवान की तसवीर छोड़ इनसान की तसवीर दीवार पर टाँग कर रोज़ दर्शन करना — भला कोई ऐसा अनर्थ करेगा ? एकाध लोगों की तसवीर और भगवान की तसवीरें टाँगी जातीं ज़मींदार साहूकारों की दीवारों पर। फूल माला पहना धूपबत्ती जलाई जाती थी मरे लोगो की तसवीरों के सामने। इसलिए विधान के पिता, माता, चाचा, चाची किसी कोई तसवीर नहीं। सब मर-खप चुके। सिर्फ स्मृति-ल पर जितना कुछ बचा है, उतना ही।

(i) ज़मींदार साहूकारों के घर किनकी तसवीरें टाँगी जाती थीं और क्यों ?

(ii) किस बात को अनर्थ कहा गया है और क्यों ?

(iii) स्मृति-पटल पर बचने वाली किस बात की ओर यहाँ संकेत है ?

**अथवा**

उत्तम गुरु में जाति-भावना भी नहीं रहती। कितने ही मुसलमान पहलवानों के हिन्दू चेले हैं और हिन्दू संगीतकारों के मुसलमान शिष्य रहे हैं। यहाँ परख गुण की, साधना की और प्रतिभा की होती है। भक्ति और श्रद्धा की ही क़ीमत है न कि जाति संप्रदाय, आचार-विचार या धर्म की। मुझे पढ़ाया-लिखाया था — एक विद्वान् मुसलमान ने ही। उन्होंने कभी नहीं सोचा कि यह हिन्दू है और इसे मुसलमान बनाना चाहिए। पुराने ज़माने में मौलवी लोग बड़े-बड़े रामायणी होते थे।

(i) उत्तम गुरु में किस प्रकार की भावना नहीं रहती ? उदाहरण सहित लिखिए।

(ii) यहाँ जाति-धर्म के स्थान पर किस चीज़ की परख होती है ?

(iii) मौलवी लोगों के रामायणी होने की बात किस संदर्भ में की गई है ? ऐसा कहकर लेखक हमारे देश की किस विशेषता की ओर संकेत करता है ?

**10.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4+4 = 8

(क) पर्यावरण दूषित होने के क्या कारण हैं ? 'मनुष्य का भविष्य' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) दंगे की समस्या के समाधान के लिए ज़िलाधिकारी की योजना और डॉक्टर की तरकीब क्या थी ? 'क़ब्रिस्तान में पंचायत' के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) महादेवी जी ने साहित्यिक परिवार के अलावा एक अन्य जीवंत परिवार भी बनाया, उस परिवार का विवरण देते हुए बताइए कि इससे उनकी किस अतृप्त इच्छा की तृप्ति होती थी।

**11.** इंस्पेक्टर मातादीन ने चाँद सरकार को मामले की छानबीन की कौन-कौनसी बारीकियाँ समझाईं ? पाठ के आधार पर तर्क-सहित उत्तर दीजिए। 6

**अथवा**

'स्वराज्य की नींव' एकांकी के आधार पर लक्ष्मीबाई के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

**12.** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1+2+2=5

जे न मित्र दुख होहिं दुखारी। तिन्हहि बिलोकत पातक भारी ।।
निज दुख गिरि सम रज करि जाना। मित्रक दुख-रज मेरु समाना ।।
जिन्हकें असि मति सहज न आई। ते सठ कत हठि करत मिताई ।।

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ii) श्रेष्ठ मित्र अपने दुख एवं मित्र के दुख को कैसा मानते हैं ?

(iii) किन व्यक्तियों को मित्रता के योग्य नहीं माना गया ?

**अथवा**

और भी हैं ओठ जिन पर
वेदना मुस्कान बनती,
नींद तेरी ही न केवल
स्वप्न की पहचान बनती ।
पूजना पत्थर अकेले एक तुझको ही नहीं —
'वाह' बनने के लिए मजबूर आहें और भी हैं।

(i) कवि और कविता का नामोल्लेख कीजिए।

(ii) वेदना के मुस्कान बनने के क्या आशय है ? आप ऐसा कैसे कर सकते हैं ?

(iii) किन पंक्तियों का आशय है कि अनेक लोगों को निष्ठुर व्यक्तियों की खुशामद कर प्रशंसा प्राप्त करनी पड़ती है ?

**13.** 'गीत-फ़रोश' **अथवा** 'तरुण से' कविता का प्रतिपाद्य लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 4

**14.** निम्नलिखित काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 4

बाँध कर नदी को
मनुष्य दुह रहा है
अब वह कामधेनु है ।

**अथवा**

करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की ।
हे मातृभूमि ! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की ।।

**15.** 'तोड़ती पत्थर' कविता में कवि ने मज़दूर युवती को किन परिस्थितियों में पत्थर तोड़ते चित्रित किया है ? 2

**16.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'कथालोक-भाग 2' के आधार पर लिखिए : 2+2+2 = 6

(क) 'खेल' पाठ के आधार पर लिखिए कि रूठी सुरबाला को मनाने के लिए मनोहर ने क्या प्रस्ताव रखा और सुरबाला ने उसमें क्या संशोधन प्रस्तुत किए।

(ख) 'हत्यारों की वापसी' कहानी के आधार पर 'उस आदमी' के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'पार नज़र के' कहानी के आधार पर बताइए कि सुरंग का प्रयोग करते समय छोटू कैसे पकड़ा गया।

**17.** (क) 'मज़बूरी' कहानी के आधार पर लिखिए कि बेटू को दादी के साथ रहना क्यों अच्छा लगता था और पहली बार मुंबई ले जाने का प्रयास सफल क्यों नहीं हुआ। 5

**अथवा**

भाववर्मा कौन था ? अंतिम दिनों में उसकी भावात्मक स्थिति कैसी हो गई थी और क्यों ? 'प्रतिशोध' कहानी के आधार पर लिखिए।

(ख) 'वारिस' कहानी के आधार पर लिखिए कि पिता के व्यवहार में अचानक किस प्रकार का परिवर्तन दिखाई दे रहा था ? इस परिवर्तन का कारण आप क्या समझते हैं ? 4